भारत सरकार
पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
लोक सभा
तारांकित प्रश्न सं. *57
24.07.2023 को उत्तर के लिए

पर्यावरण जागरूकता हेतु विशेष पैकेज

***57. श्री एस. रामलिंगम :**

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने तमिलनाडु के मइलादुथुरई जिले में समुद्र तटवर्ती 24 गांवों की ऐसी निचली बसावटों की समस्याओं के समाधान के लिए कोई गंभीर कदम उठाए हैं जिन पर मैंडस और निशा चक्रवातों के कारण, विशेषकर थरंगमबाड़ी, पूमपुहार, थोडुवई, थिरूमुलईवासल, कीलुमुवरकरई, नधल पडुगई, मुधलाईमेडु थिट्टू, मथिरवेलु कोडियामपलायम और वेल्लामनाल क्षेत्रों में प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है;

(ख) क्या सरकार ने तमिलनाडु राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों, विशेषकर मइलादुथुरई और नागपट्टिनम जिलों में जलवायु परिवर्तन और अपशिष्ट प्रबंधन के पहलुओं और इसकी समस्याओं का अध्ययन करने का प्रयास किया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या मइलादुथुरई जिले के उपर्युक्त क्षेत्रों में, विशेषकर सामाजिक रूप से वंचित समुदायों के लिए पर्यावरण जागरूकता का कोई विशेष पैकेज प्रदान किए जाने की संभावना है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री
(श्री भूपेन्द्र यादव)

(क) से (ग): विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

*****

'पर्यावरण जागरूकता हेतु विशेष पैकेज' के संबंध में श्री एस. रामलिंगम द्वारा दिनांक 24.07.2023 को उत्तर के लिए पूछे गए लोक सभा तारांकित प्रश्न सं. *57 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध।

(क): जलवायु परिवर्तन के संबंध में भारत के कार्यकलाप जलवायु परिवर्तन संबंधी राष्ट्रीय कार्ययोजना (एनएपीसीसी) से निर्देशित होते हैं, जो सर्वव्यापक नीतिगत कार्यढांचा है और इसमें सौर ऊर्जा, ऊर्जा की बचत में वृद्धि, जल, कृषि, हिमालयी पारि-तंत्र, संधारणीय पर्यावास, हरित भारत, मानव स्वास्थ्य और जलवायु परिवर्तन से संबंधित कार्यनीतिक जानकारी के विशिष्ट क्षेत्रों में संचालित राष्ट्रीय मिशन शामिल हैं। ये राष्ट्रीय मिशन विनिर्दिष्ट संबंधित मंत्रालयों/विभागों द्वारा संचालित किए जाते हैं जिनमें प्रत्येक मिशन की अपनी कार्य योजना है। तमिनाडु सहित चौंतीस राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों (यूटी) में जलवायु परिवर्तन से संबंधित राज्य विशिष्ट मुद्दों को ध्यान में रखते हुए एनएपीसीसी की तर्ज पर अपनी जलवायु परिवर्तन राज्य कार्य योजनाएं (एसएपीसीसी) तैयार की हैं। एसएपीसीसी के कार्यान्वयन की जिम्मेदारी सं बंधित राज्यों की है।

तमिलनाडु सरकार द्वारा वर्ष 2021-22 के दौरान 500 करोड़ रूपए के कुल परिव्यय से तमिलनाडु जलवायु परिवर्तन मिशन शुरू किया गया है। तमिलनाडु सरकार ने विभिन्न कार्यकलापों के लिए मार्च 2022 में 75.50 करोड़ रूपए की स्वीकृति प्रदान की है, जिसमें 50 करोड़ रूपए की लागत से 'पारिस्थितिकी के अनुकूल समाधान के माध्यम से जलवायु परिवर्तन के प्रति अनुकूलन हेतु तटीय पर्यावासों का पुनर्वास' शामिल है। इस कार्यकलाप में केजुअरिना, पामिरा, काजू और अन्य

विशिष्ट प्रभेदों की खेती के माध्यम से जैविक सुरक्षा (बायो-शील्ड) के निर्माण; तटीय जिलों में मैंग्रोव रोपण का प्रसार और समुद्री घास तथा प्रवाल भित्तियों की सुरक्षा और सवंर्धन जैसे घटक शामिल हैं।

तमिलनाडु सरकार मइलादुथुरई जिले के संवेदनशील गांवों में तटीय कटाव को रोकने के लिए तटीय सुरक्षा कार्यकलाप भी कार्यान्वित कर रही है। पूमपुहार, थरंगमबाड़ी गांव, पलायर गांव, थिरूमुलईवासल गांव, वनागिरिकुप्पम में, अगस्त 2000 से जुलाई 2014 के बीच 51.07 करोड़ रूपए की कुल लागत से 4365 मीटर की कुल लंबाई में रबल माउंड सी वॉल का निर्माण किया गया है। वनागिरिकुप्पम में रोधिकाओं का निर्माण भी किया गया है। समुद्री जल के खेतों में प्रवेश करने के कारण कृषि भूमियों की क्षति के संबंध में, तमिलनाडु द्वारा मइलादुथुरई और नागपट्टिनम के डेल्टा जिलों में बहने वाली कावेरी नदी की वितरक नदियों में टेल एण्ड रेगुलेटरों को कार्यान्वित किया जा रहा है। (इन पहलों का ब्यौरा **अनुबंध** में दिया गया है।)

(ख) : भारत सरकार ने अपने राष्ट्रीय तटीय प्रबंधन कार्यक्रम के माध्यम से कोवलम तट, तमिलनाडु में पर्यावरण के अनुकूल अपशिष्ट प्रबंधन तथा प्रदूषण नियंत्रण संबंधी अवसंरचना के विकास के लिए प्रायोगिक परियोजनाएं शुरू की हैं। गत तीन वर्षों में तटीय समुदायों और तट पर आने वाले पर्यटकों के लिए विभिन्न पर्यावरणीय जागरूकता कार्यक्रम भी संचालित किए गए हैं।

तमिलनाडु सरकार द्वारा जलवायु परिवर्तन और अपशिष्ट प्रबंधन के, अपशिष्ट से ऊर्जा उत्पादन सहित आधारभूत अध्ययनों; तटीय पर्यावासों के सुधार; कार्बन संवर्धन कार्यक्रम; जलवायु संबंधी साक्षरता और जलवायु स्मार्ट गांवों जैसे पहलुओं का विश्लेषण करने के लिए अध्ययन कराए गए हैं। जलवायु स्टुडियो द्वारा मइलादुथुरई और नागपट्टिनम जिलों सहित तमिलनाडु के सभी जिलों के लिए जलवायु परिवर्तन के प्रति जिले की संवेदनशीलता सं बंधित जोखिमों, खतरों आदि जैसे जलवायु परिवर्तन के विभिन्न पहलुओं का विश्लेषण करने के लिए डेटा एकत्रित किया गया है।

(ग) : तमिलनाडु में पर्यावरणीय जागरूकता कार्यक्रमों को राष्ट्रीय हरित कोर (एनजीसी) और ईको-क्लबों के माध्यम से संचालित किया जाता है। जलवायु परिवर्तन संबंधी कार्यनीतिक जानकारी के राष्ट्रीय मिशन के तहत, राज्य जलवायु परिवर्तन डेटा बैंक, राज्य जलवायु परिवर्तन जानकारी पोर्टल और जलवायु परिवर्तन जानकारी प्रबंधन प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। प्रासंगिक हितधारकों पर ध्यान केंद्रित करके अनेक प्रशिक्षण कार्यक्रम और जागरूकता अभियान, विशेष रूप से तटीय क्षेत्रों में जलवायु-अनुकूल कृषि, प्रवाल भित्तियों, समुद्री घास क्षेत्रों और मैंग्रोव वनस्पतियों के संरक्षण और प्रबंधन के संबंध में संचालित अभियान, संचालित किए जा रहे हैं। तथापि, मइलादुथुरई जिले के उपर्युक्त क्षेत्रों में केवल सामाजिक रूप से वंचित समुदायों के लिए पर्यावरणीय जागरूकता के संबंध में कोई विशेष पैकेज तैयार नहीं किया गया है।

*****

'पर्यावरण जागरूकता हेतु विशेष पैकेज' के संबंध में श्री एस. रामलिंगम द्वारा दिनांक 24.07.2023 को उत्तर के लिए पूछे गए लोक सभा तारांकित प्रश्न सं. *57 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध।

मयिलादुथुराई जिले के संवेदनशील गांवों में तटीय कटाव को रोकने के लिए निम्नलिखित तटीय सुरक्षा कार्यकलाप कार्यान्वित किए गए हैं :

क्र.सं.	संरचना का नाम (बांध/ स्लुइस गेट/ टेल एंड रेगुलेटर/ समुद्री दीवार/ आरएमएस दीवार/ रोधिका)	संरचना की लंबाई (मीटर में)	अनुमानित राशि लाख रू. में	निर्माण का वर्ष
1	सिरकाली तालुक के पूमपुहार में मलबे के टीले वाली समुद्री दीवार का निर्माण	515.00	86.54	पूरा करने की तिथि: 07.08.2000
2	थारंगमबाड़ी तालुक के थारंगमबाड़ी गांव में मलबे के टीले वाली समुद्री दीवार का निर्माण	300.00	305.00	पूरा करने की तिथि: 10.11.2007
3	सिरकाली तालुक के पूमपुहार में मलबे के टीले वाली समुद्री दीवार का निर्माण	100.00	178.00	पूरा करने की तिथि: 20.11.2007
4	पलयार गांव में 1000 मीटर (+3.25 मीटर) की लंबाई तक आरएमएस दीवार का निर्माण	1000.00	596.50	पूरा करने की तिथि: 23.03.2013
5	थिरुमुल्लैवासल गांव में सिरकाज़ी तालुक में 100 मीटर से +4.50 मीटर तक की लंबाई तक स्पर्स का निर्माण	1000.00	546.00	पूरा करने की तिथि: 14.02.2014
6	सिरकाली 7 तालुक के वनगिरिकुप्पम में 500 मीटर की लंबाई में मलबे के टीले की समुद्री दीवार का निर्माण और रोधिकाओं का निर्माण	500.00	1697.00	पूरा करने की तिथि: 24.07.2014
7	सिरकाली तालुक के वनगिरिकुप्पम में 950 मीटर की लंबाई में मलबे के टीले की समुद्री दीवार का निर्माण और रोधिकाओं का निर्माण	950.00	1698.00	पूरा करने की तिथि: 24.07.2014

समुद्री जल के खेतों में प्रवेश के कारण कृषि भूमि के नुकसान के संबंध में, तमिलनाडु सरकार मयिलादुथुराई और नागपट्टिनम के डेल्टा जिलों में बहने वाली कावेरी नदी की वितरक नदियों में टेल एंड रेगुलेटर कार्यान्वित रही है। विवरण निम्नानुसार है:

क्र.सं.	नदी का नाम	गाँव	मौजूदा/प्रस्तावित	समुद्र के मुहाने से दूरी
1	कोलेरून नदी	अलाकुडी	प्रस्तावित	8.0 किमी
2	किट्टियायानी उप्पनार	पुडुपट्टिनम	मौजूदा	3.0 किमी
3	मुदावनार नाली	वेट्टानगुडी	मौजूदा	1.2 किमी

4	वेल्लापल्लम उप्पनार	तिरुनागिरी	निर्माणाधीन	4.2 किमी
5	नट्टूकन्नी मनियार	थेन्नमपट्टिनम	मौजूदा	2.8 किमी
6	मुलियार वडिगल	थेन्नमपट्टिनम	प्रस्तावित	2.9 किमी
7	सेलानारू नदी	पेरुन्थोट्टम	प्रस्तावित	0.5 किमी
8	कावेरी	धर्मकुलम	मौजूदा	1.8 किमी
9	सेवागनर नाली	मरुधमपल्लम	प्रस्तावित	1.6 किमी
10	मंझलार	कलामनल्लूर	मौजूदा	4.5 किमी
11	महिमलैयार	थारंगमपाडी	निर्माणाधीन	1.0 किमी
12	नंदलार	चंद्रपदी	प्रस्तावित	2.6 किमी

*****